ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुख पत्र

इस अंक का मूल्य : 10 रु०
वर्ष 46, अंक 17 एक प्रति
सोमवार 13 मार्च, 2023 से रविवार 19 मार्च, 2023
विक्रमी सम्वत् 2079 सृष्टि सम्वत् 1960853123
दयानन्दाब्द : 200 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

200 वीं सदैव सत्य महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती 1824-2024

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में दिल्ली की समस्त आर्यसमाजों की ओर से

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

ओ३म् आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह

हर वर्ष की तरह सबसे छोटी आयु के शिशु एवं सबसे अधिक आयु के बुजुर्ग आर्यों के परिवारों के मंगल मिलन का केन्द्र बना आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह

देश के भविष्य की चिंता और चिंतन, किराए के बाराती - रिश्ते बचाइए के महत्वपूर्ण विषय पर नाटक का मंचन

विशिष्ठ आर्य परिवार सम्मान प्राप्त करते हुए श्रीमती शीला रानी ग्रोवर एवं श्री राकेश ग्रोवर

उद्बोधन देते स्वामी प्रणवानन्द जी

उद्बोधन देते डॉ. योगानन्द शास्त्री जी

उद्बोधन देते श्री धर्मपाल आर्य जी

समारोह में उपस्थित हुए हजारों आर्य परिवारों के हर आयु वर्ग महानुभाव आर्य समाजों के अधिकारी, कार्यकर्ता, सदस्य और आर्य नेता गण

आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह के विस्तृत समाचार एवं मनाहारी छायाचित्र पृष्ठ 2,3,6,7 और 8 पर

समारोह के अवसर पर विशिष्ट महानुभावों का स्वागत एवं सम्मान

आचार्य प्रेमपाल शास्त्री जी को ब्र. राज सिंह आर्य स्मृति सम्मान भेंट करते अधिकारीगण एवं आर्य नेता

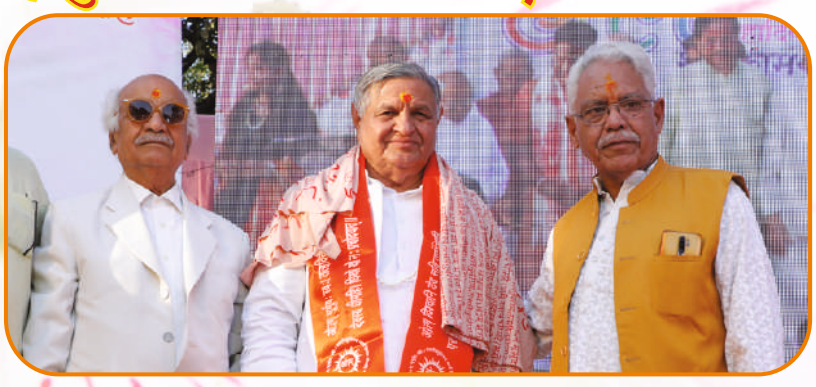

डा० योगानन्द शास्त्री जी का सम्मान करते हुए

आर्य समाज बाहरी रिंग रोड विकास पुरी के अधिकारियों का सम्मान करते हुए

आर्य समाज कीर्ति नगर के अधिकारियों का सम्मान करते हुए

श्रीमती सुषमा शर्मा एवं श्रीमती सुमन रहेजा जी का सम्मान करते हुए

भाजपा दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता जी का सम्मान करते हुए

पद्मश्री डा० सुकामा आचार्या जी का सम्मान करते हुए

श्री जीववर्धन शास्त्री जी एवं श्री संतोष जी का सम्मान

आर्यों की फूलों की होली का विहंगम दृश्य, उमंग, उत्साह और उल्लास के रंग

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में दिल्ली की समसत आर्य समाजों के सहयोग से
महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के आयोजनों की श्रृंखला में

18वाँ आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह सम्पन्न

आचार्य प्रेमपाल जी को दिया गया 2023 का ब्र. राजसिंह आर्य स्मृति सम्मान

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती पर सबसे सुन्दर सुसज्जित आर्यसमाज के रूप में आर्यसमाज बाहरी रिंग रोड विकास पुरी को किया गया पुरस्कृत : 51 हजार की राशि प्रदान की गई

महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200 वीं जयंती के दो वर्षीय आयोजनों की वृहद श्रृंखला में आर्य समाज द्वारा निरंतर भव्य कार्यक्रम ऐतिहासिक सफलताओं का परचम लहरा रहे हैं। कार्यक्रमों के इस भव्य अनुक्रम में 18 फरवरी 2023 को महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का बोधोत्सव (ऋषि मेला) रामलीला मैदान में मानव कल्याण के संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। 25 फरवरी से 5 मार्च 2023 तक विश्व पुस्तक मेले में महर्षि दयानन्द के ग्रंथों सहित वैदिक साहित्य की लगातार लहर चली। जिसमें लाखों लोगों ने सत्यार्थ प्रकाश, वेद संहिता, वेद भाष्य, ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, मनुस्मृति बाल्मीकि रामायण, महाभारत, गीता आदि वैदिक साहित्य की उत्साह पूर्वक की खरीदी की और स्वयं को गौरवान्वित अनुभव किया। इस क्रम में 3 वर्षों के अंतराल पर 7 मार्च 2023 को दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह अपनी अपार सफलताओं के साथ संपन्न हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में आर्यजन, आर्य केंद्रीय सभा, अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ, दिल्ली के सभी वेदप्रचार मंडल, प्रान्तीय आर्य महिला सभा इत्यादि संगठनों के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर आर्य जनों ने नव सस्येष्टि यज्ञ किया, विशिष्ट और वरिष्ठ जनों को विशेष रूप से सम्मानित किया, आर्य विद्यालयों, आर्य वीर दल, आर्य परिवारों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, आर्य समाज के गौरवशाली इतिहास पर आधारित गरीब वर्ग के उत्थान में आर्य समाज योगदान को दर्शाने वाली, पारिवारिक रिश्तों को मजबूती प्रदान करने वाली प्रेरक नाटिकाएं प्रस्तुत की, सब आर्यजनों ने मिलकर फूलों की होली खेली, पारिवारिक रिश्तों की मजबूती और युवाओं को नशामुक्त करने का संकल्प लिया।

नवसस्येष्टि यज्ञ में युवा बने यजमान

आर्य समाज की विदुषी, कन्या गुरुकुल की आचार्या डॉ. सुकामा जी के ब्रह्मत्व में श्रीमती गायत्री जी एवं डॉ. श्री सत्यकाम की वेदालंकार जी, वेद प्रचार अधिष्ठाता, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, श्रीमती वंदना शर्मा जी एवं श्री यशपाल शर्मा जी, श्रीमती वैष्णवी शर्मा जी एवं श्री गौरव शर्मा जी, श्रीमती शिप्रा शर्मा जी एवं श्री गौरव शर्मा जी, श्रीमती नयंशी जी एवं श्री अश्वनी चौधरी जी, श्रीमती निकिता जी एवं श्री शुभम बंसल जी, श्रीमती हिना जी एवं श्री विभु आनंद जी, श्रीमती सुषमा शर्मा जी और श्रीमती सुमन रहेजा जी इत्यादि यजमानों ने यज्ञ में आहुति देकर सबके लिए मंगल प्रार्थना की। यज्ञ के ब्रह्मा के साथ सभा के सभी अधिकारियों ने फूलों की वर्षा करके यजमानों को आशीर्वाद दिया। विनय आर्य जी ने यजमानों का परिचय देते हुए बताया कि कि श्री यशपाल शर्मा जी आज अपने दोनों पुत्रों और पुत्र वधुओं और पौत्र एवं पौत्री तीन पीढ़ियों के साथ यज्ञ में यजमान बने और आपके पिताजी के संस्कार आपके परिवार में पूरी तरह से विराजमान हैं। आपको आर्य जगत की ओर से बहुत बहुत शुभकामनाएं। इस क्रम में डॉ. सत्यकाम वेदालंकार जी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गायत्री जी का परिचय देते हुए आपने कहा कि आप दिल्ली यूनिवर्सिटी से प्रोफेसर पद से रिटायर होकर अब दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा में वेद प्रचार अधिष्ठाता की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं और आपका यजमान बनना अपने आपमें एक प्रेरणा है। श्रीमती नयंशी जी और श्री अश्विनी चौधरी जी का परिचय देते हुए विनय जी ने आर्य नेता चौधरी लक्ष्मीचन्द जी को भी स्मरण किया और बताया कि यह परिवार निरंतर आर्य समाज के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है। श्रीमती हिना जी एवं विभु जी का परिचय देते हुए आपने उनको शुभकामनाएँ दी और श्रीमती निकिता जी एवं श्री शुभम बंसल जी दोनों के विषय में श्री हरिओम बंसल जी की सेवाओं को भी सराहना की। श्रीमती सुषमा शर्मा जी एवं श्रीमती सुमन रहेजा दी दोनों बहनों का सम्मान करते हुए आपने महाशय चुन्नीलाल जी और महाशय धर्मपाल जी के संस्कारों और सेवा कार्यों की उन्मुक्त प्रशंसा की। सभी यजमानों को मंच पर सम्मानित किया गया।

आर्यसमाज की सराहनीय सेवाओं के लिए माता शीला रानी ग्रोवर जी को किया गया सम्मानित

200वीं जयन्ती शुभारम्भ समारोह में सर्वाधिक बसें लाने के लिए आर्यसमाज कीर्ति नगर का हुआ सम्मान

करते हुए आपने बताया कि आप एक महान उद्योग पति होने के साथ प्रेरक समाजसेवी हैं और आर्य समाज के प्रति आपका लगाव अनुकरणीय है। इस अवसर पर उनके सुपुत्र श्री राकेश ग्रोवर जी को भी सम्मानित किया गया। श्री राकेश ग्रोवर जी ने अपने संक्षिप्त उदबोधन में आर्य समाज के सेवाकार्यों की प्रशंसा की और महर्षि दयानन्द सरस्वती जी को नमन किया।

सुप्रसिद्ध आर्य नेता स्व. प्रो. शेर सिंह जी एवं परिवार के जीवन की सच्ची घटनाओं पर आधारित – गरीबों, वंचितों और दलितों के उत्थान की प्रेरक ऐतिहासिक नाटिका का किया गया जीवन्त मंचन

महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती के अवसर पर 12 पफरवरी 2023 के आयोजन से पूर्व दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के आह्वान पर सभी आर्य समाज मंदिरों, आर्य संस्थाओं और घरों को सजाया गया था। सभा द्वारा घोषणा भी की गई थी कि जो संस्था सबसे सुंदर सजा हुआ होगा, उसे सभा की ओर से 51 हजार का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस क्रम में

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के आयोजनों की श्रृंखला में

नव वर्ष – चैत्र प्रतिपदा, 2080 की पूर्व संध्या : मंगवालर 21 मार्च, 2023 को सायं 3 बजे से

आर्यसमाज स्थापना दिवस समारोह : तालकटोरा इण्डोर स्टेडियम

मुख्य अतिथि श्री अमित शाह जी (गृहमन्त्री, भारत) **अध्यक्षता** आचार्य देवव्रत जी (महामहिम राज्यपाल, गुजरात)

आर्य समाज की ओर से सादर सम्मान

दिल्ली के आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से आयोजित इस 18 वें होली मंगल मिलन समारोह में विशिष्ट और वरिष्ठ जनों को सम्मान देने की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए ब्रह्मचारी राज सिंह आर्य स्मृति सम्मान 2023 आचार्य प्रेमपाल शास्त्री जी को प्रदान किया गया। इस विशेष स्मृति सम्मान के साथ विनय आर्य जी ने ब्र. राजसिंह आर्य जी को स्मरण करते हुए बताया कि श्री राज सिंह आर्य जी ने ही होली मंगल मिलन समारोह और आर्य महासम्मेलनों का पुनः आरंभ किया था। आज हम उन्हें शत शत नमन करते हैं। श्रीमती शीला रानी ग्रोवर जी को सम्मानित करते हुए आपने बताया कि आप एक महान उद्योग पति होने के साथ प्रेरक समाजसेवी हैं और आर्य समाज के प्रति आपका लगाव अनुकरणीय है। इस अवसर पर उनके सुपुत्र श्री राकेश ग्रोवर जी को भी सम्मानित किया गया। श्री राकेश ग्रोवर जी ने अपने संक्षिप्त उदबोधन में आर्य समाज के सेवाकार्यों की प्रशंसा की और महर्षि दयानन्द सरस्वती जी को नमन किया।

देश विदेश की 600 से अधिक आर्य समाजों, आर्य संस्थाओं की सुसज्जित फोटो में एक को छांटना अपने आप में कठिन काम था। सभी सुंदर लाईटिंग से सजे संस्थान अपने आप में प्रशंसनीय सिद्ध हुए, सभी ने इस कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, सभी के प्रति कृतज्ञता और आभार व्यक्त करते हुए आर्यसमाज विकासपुरी आउटर रिंग रोड को सबसे सुंदर लाइटिंग से सजाने का निर्णय करते हुए 51,000 कि राशि और स्मृति चिन्ह के साथ सम्मानित किया गया। आर्य समाज कीर्तिनगर के अतुलनीय योगदान को सराहते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दोनों आर्य समाजों के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्य भारी संख्या में उपस्थित रहे, उपस्थित आर्यजनों ने तालियां बजाकर सभी सम्मानितों का उत्साहवर्धन किया।

– शेष पृष्ठ 6 पर

समारोह में उपस्थित सबसे नवजात बालक, नव दम्पति एवं सबसे वरिष्ठ बुजुर्ग 90 वर्षीय आर्य महानुभाव का किया गया सम्मान

वेद-स्वाध्याय

षड्रिपुदमनकर्त्ता इन्द्र

उलूकयातुं शुशुलूकयातुं जहि श्वयातुमुत कोयातुम्।
सुपर्णयातुमुत गृध्रयातुं दृषदेव प्र मृण रक्ष इन्द्र।। – अथर्व. 8/4/22
ऋषिः चातनः।। देवता – मन्त्रोक्ता।। छन्दः त्रिष्टुप्।

शब्दार्थ – **कामः** –(हे जीव) **उलूकयातुम्** = उल्लू के समान आचरण (मोह) को **शुशुलूकयातुम्** =भेड़िये के चलन (क्रोध) को **श्वयातुम्** = कुत्ते – जैसे व्यवहार (मम्सर) को **उत** = और **कोकयातुम्** = चिड़िया के आचरण (काम) को **जहि** = नष्ट कर दे। **सुपर्णयातुम्** = बाज़ की चाल (मद) को **उत** = तथा **गृध्रयातुम्** = गिद्ध–जैसे बर्ताव (लोभ) को भी **रक्षः** = इन छहों में से एक–एक राक्षक को **इन्द्र** = हे आत्मन्! तू **दृषदा इव प्रमृण** = अपनी दारणशक्ति द्वारा इस तरह विनष्ट कर दे जैसे शिला से मिट्टी का ढेला या मिट्टी का बर्तन फूट जाता है।

विनय– हे जीव! तूने दुर्लभ मनुष्य–जन्म को पाकर भी अभी तक अपने में से पशुताओं को नहीं निकाला हैं तुझ में छह प्रकार के पशुत्व अबतक बसे हुए हैं। मनुष्य–योनि ही वह उच्च योनि है जिसमें आत्मशक्ति जाग्रत की जा सकती है, अतः तू अब अपने इन्द्रत्व को पहचान और अपनी आत्मशक्ति से इन 'षड्रिपुओं' को, छह राक्षसों को, अपने में से विनष्ट कर दे। इनसे अपनी रक्षा करनी चाहिए, अतः ये ही तो असली राक्षस हैं जो तेरे वध्य हैं तुझ में कभी–कभी जो कोकपक्षी की भांति भयंकर कामविकार का राक्षस आता है, उसे तू मार डाल। तू तो संयम कर सकने वाला मनुष्य है। तू तो कभी क्रोधाविष्ट होकर अपने भाइयों पर निर्दय अत्याचार कर डालता है, यह तुझमें भेड़ियापन है। जो भी कुछ द्वेष व हिंसा तू करता है वह सब तुझ मनुष्य में जीवों को मारकर खा डालनेवाले भेड़िए का–सा आचरण है और जिस प्रकार गिद्ध मरते–सिसकते प्राणियों के मांस पर ही दृष्टि रखता है, उसी प्रकार तुझ में दूसरों के नाश पर पुष्ट होने की जो घृणित, लोभमयी वृत्ति उठती है यह भी एक बड़ा दुष्ट राक्षस है; तू इसे भी नष्ट कर दे। एवं, तू उल्लू के आचरण को भी छोड़ दे। जैसे उल्लू को प्रकाश से घृणा होती है उसी प्रकार जो तुझमें तमोमयावस्था में पड़े रहने की प्रवृत्ति और सात्त्विक भाव तथा ज्ञानप्रकाश की चर्चा देखता है, वहां से तू दूर भागा करता है– यह जो प्रवृत्ति है, इसे तू त्याग दे। इसी तरह अहंकार बड़ा बुरा राक्षस है, बाज़ (गरुड़) के समान गर्व= घमण्ड के भाव को भी अब तुझे सर्वथा निकाल देना होगा और तू अब कुत्तापन कब तक करता रहेगा। कुत्तों की तरह आपस में लड़ना और पराये के सामने दुम हिलाना, या जैसे कुत्ता अपने वमन किये को भी चाट लेता है वैसे व्रत करके त्यागी हुई वस्तु को भी फिर ग्रहण कर लेना, इस प्रकार की पशुताएं तू कब तक करता रहेगा? तू तो इन्द्र = आत्मा है, तेरी आत्म–शक्ति के सामने ये विकार कैसे ठहर सकते हैं? जैसे दृषत् अर्थात् शिला पर टकराकर मिट्टी का ढेला चूर–चूर हो जाता है वैसे ही, हे आत्मन्, हे इन्द्र! तेरी भी एक 'मही दृषत्' दारणशक्ति है, तू इसे पहचान!

–: साभार :–
वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

महर्षि दयानंद सेवा समिति कोटा द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

महिलाएं समाज में परिवर्तन का लें संकल्प – विनय आर्य, महामन्त्री, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

महर्षि दयानंद सेवा समिति कोटा महिला दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके समापन अवसर पर आचार्य अग्निमित्र शास्त्री के ब्रह्मत्व मे 11 कुण्डीय बृहद् देव यज्ञ में महिलाओं ने वेद मंत्रोच्चार पूर्वक आहुतियां प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. सावित्री 25 सांस्कृतिक, बौद्धिक, खेलकूद व योगासन प्रतियोगिताओं में 75 महिलाओं को गोल्ड, सिल्वर व ब्रोंज मेडल प्रदानकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी ने अपने स्त्रियों को पुरुषों के बराबर अधिकार प्रदान करते हुए वोट देने का अधिकार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती की विचारधारा स्पष्ट थी कि महिलाओं को समानता का अधिकार दिए बिना भारत राष्ट्र उन्नति नहीं कर सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सतीश

इस अवसर पर कार्यक्रम में 200 से अधिक महिलाओं को सम्मानित किया गया। आर्य उप प्रतिनिधि सभा कोटा संभाग के प्रधन अर्जुनदेव चड्डा, पतंजलि भारत स्वाभिमान के राज्य प्रभारी अरविंद पांडेय, स्थानीय वार्ड पार्षद विवेक मित्तल ,आर्य समाज तलवंडी की प्रधान सुमनबाला

चौधरी प्राचार्य मां भारती टीटी कॉलेज कोटा, मुख्य अतिथि डॉ. संगीता सक्सेना रेडियो लॉजिस्ट मेडिकल कॉलेज कोटा व विशिष्ट अतिथि सरोज गोयनका श्रीमती ममता खंडेलवाल, डॉ कांता दासवानी डायरेक्टर दासवानी डेंटल कॉलेज कोटा तथा स्थानीय पार्षद विवेक मित्तल आदि उपस्थित रहे । समिति के महामंत्री राकेश चड्डा के अनुसार तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित

उदबोधन में कहा कि महिलाएं समाज में परिवर्तन का संकल्प लें क्योंकि समाज का समग्र विकास महिलाओं के बिना असंभव है। जहां आज से कुछ वर्ष पूर्व विकसित राष्ट्रों में भी महिलाओं को समानता के आधार पर वोट देने का अधिकार नहीं था वहीं आज से 150 वर्ष पूर्व आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती ने अपने संगठन में

चड्डा अध्यक्ष केंद्रीय आर्य सभा दिल्ली राज्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि मां मनुष्य की प्रथम गुरु होती है और यदि प्रथम गुरु सर्वाधिकार संपन्न है तो वह समाज विकसित बना रहता है। आर्य समाज ने अपने आविर्भाव के समय से ही महिलाओं को केवल सामाजिक ही नहीं अपितु धर्मिक स्थलों पर समानता का अधिकार प्रदान किया।

सक्सेना, कोटा में हिंदी की वरिष्ट लेखिका डॉ अपर्णा पांडेय आर्य उप प्रतिनिधि सभा के उपमंत्री लालचंद आर्य, भैरों लाल शर्मा किशन आर्य हरियाणा पं श्योराज वशिष्ठ, नरेन्द्र शर्मा तथा बड़ी संख्या में महिला पुरुष व महर्षि दयानंद सरस्वती सेवा समिति के सदस्य उपस्थित रहे। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के आयोजनों की श्रृंखला में

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में चली आर्य समाज के वैदिक साहित्य की लहर

सत्यार्थ प्रकाश सहित महर्षि के समस्त ग्रंथों, उनकी जीवनी और वैदिक साहित्य की बढी मांग

आर्य समाज के अधिकारी, कार्यकर्ताओं और सदस्यों ने आर्य समाज के प्रचार अभियान में दिया सक्रिय योगदान

कोरोना काल में बीते 4 वर्षों बाद पुन: 9 दिवसीय पुस्तक मेले में 25 फरवरी से 5 मार्च तक वैदिक साहित्य का दनादन प्रचार

परमपिता परमात्मा की असीम कृपा से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में वैदिक साहित्य के प्रचार – प्रसार हेतु 10 स्टाल आर्ष सहित्य प्रचार ट्रस्ट के सौजन्य से लगाए गए। उद्घाटन कार्यक्रम श्रीमती वीना आर्या धर्मपत्नी श्री धर्मपाल आर्य जी, अध्यक्ष, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट के कर कमलों द्वारा हुआ। इस अवसर पर उनके दोहेत युवान आर्य, श्री विश्रामरामविलास, आर्य समाज दक्षिणी अफ्रीका, श्री विनय आर्य, महामंत्री, श्री अरुण प्रकाश वर्मा, उपप्रधान, श्री सुरेश चंद्र गुप्ता, श्री वीरेंद्र सरदाना, श्री सुखबीर लसह, मंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा सहित पुस्तक मेले के सभी कार्यकर्ता उपस्थित हुए। डॉ. मुकेश आर्य 'सुधीर' ने पुस्तक मेले के सभी कार्यकर्ताओं का परिचय उपस्थित आर्य महानुभावों से करवाया। श्री विनय आर्य ने पुस्तकों एवं पुस्तक मेले की सार्थकता का जीवन में उपयोग बताया तथा पुस्तक मेले के सभी कार्यकर्त्ताओं का पितवस्त्र द्वारा उत्साहवर्धन किया श्री सुखबीर सिंह (सहसंयोजक, पुस्तक मेला) ने पुस्तक मेले के स्वयंसेवी कार्यकर्त्ताओं व सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला एवं प्रशंसा की। इस अवसर पर महर्षि दयानंद के अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश को 20 रुपये में बेचा गया।

मेले में पाठकों ने सत्यार्थ प्रकाश को श्रेष्ठ ग्रंथ बताया तथा वेद, उपनिषद, दर्शन, रामायण, महाभारत, विशुद्ध मनु स्मृति आदि ग्रंथ एवं विशेष अग्निहोत्र की पुस्तकें पाठकों की मनपसंद पुस्तकें रही। श्रीमती गार्गी आर्या सुपुत्री श्री धर्मपाल आर्य, प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने अमेटी स्कूल, साकेत के छात्र – छात्रों व अध्यापिकाओं को वैदिक सहित्य एवं कामिक्स उपहार स्वरूप प्रदान किये। पुस्तक मेला अध्यक्ष, आर्य सतीश चड्डा, ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रतिदिन प्रबुद्ध आर्यजनों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जिसमें श्रीमती रचना आहूजा, प्रधाना, प्रांतीय आर्य महिला सभा, श्री सुरेंद्र कुमार रैली, प्रधान, आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य, श्री बिपिन महाजन, महामंत्री, हिमाचल प्रदेश आर्य प्रांतीय सभा, श्री सत्यानंद आर्य, प्रधान, परोपकारिणी सभा, अजमेर, श्री रविदेव गुप्ता, वैदिक प्रवक्ता एवं प्रधान, दक्षिणी दिल्ली वेद प्रचार मंडल, श्रीमती विमलेश बंसल, वैदिक प्रवक्ता, श्री अशोक गुप्ता, प्रधान, पूर्वी दिल्ली वेद प्रचार मंडल, श्री सुभाष दुआ, महामंत्री, भारतीय शुद्धि सभा एवं विभिन्न गणमान्य व्यक्ति रहें।

इस विशेष आयोजन में अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित हुए जिनमें श्री कैलाश सत्यार्थी, नोबेल पुरस्कार विजेता, ने वैदिक साहित्य को सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक बताते हुए, सत्यार्थ प्रकाश एवं महर्षि दयानंद को अपना आदर्श बताया। ठाकुर विक्रम सिंह, संरक्षक, आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य, वैदिक सहित्य के विशाल, सुसज्जित और क्रेताओं भीड़ को देख कर गद्गद् हुए तथा सभी कार्यकर्ताओं व सहयोगियों को प्रोत्साहित किया। श्री सुरेश चौहान, चैयरमैन, सुदर्शन न्यूज़ चैनल ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में आर्य समाज को विशेष गति से कार्य करने की आवश्यकता है। डॉ. विवेक आर्य, वैदिक विद्वान, आचार्य अंकित आर्य, आचार्य राहुल आर्य तथा अन्य आर्यजनों के साथ, उत्साहवर्धन हेतु, सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार व वितरण में विशेष सहयोग किया।

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के मन्त्री श्री विश्रुत आर्य जी ने कुछ वैदिक सहित्य को निशुल्क वितरण के लिए उपलब्ध करवाया। शंका समाधान कक्ष विशेष आकर्षण का केंद्र रहा जिसमें आचार्य भद्रकाम वर्णी ने सभी जिज्ञासुओं की शंकाओं एवं गूढ प्रश्नों का निवारण बहुत ही सरलता से किया। आर्य अमन नारंग, डायरेक्टर, आर्य इंटीरियर एंड डेकोरेटर ने हर वर्ष की तरह इस बार भी बुक स्टाल हेतु सभी शीशे वाली अलमारियां तथा अन्य सजावट का समान निशुल्क प्रदान किया, सभी का धन्यवाद!

श्री बृहस्पति आर्य के सहयोग एवं सवंर्धकों की टीम ने पुस्तकों को लाने ले जाने तथा व्यवस्थित करने में सक्रिय योगदान दिया। श्री संदीप आर्य के नेतृत्व में प्रतिदिन भोजन व्यवस्था बहुत सुंदर रही। पुस्तक मेले में बहुमूल्य समय तथा यथाशक्ति वैदिक सहित्य का प्रचार एवं विक्रय में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सहयोगी कार्यकर्ता निम्नलिखित हैं, अध्यक्ष : आर्य सतीश चड्डा, संयोजक : डॉ. मुकेश आर्य 'सुधीर', मंत्री आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य, सहसंयोजक : श्री सुखबीर आर्य, मंत्री, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, सर्वश्रीमती विद्यावती आर्या, सुषमा आर्या, रश्मि वर्मा, हर्ष आर्या, सर्वश्री अरुण प्रकाश वर्मा, ओम प्रकाश आर्य, उपप्रधान, सुरेंद्र चंद्र गुप्ता, वीरेंद्र सरदाना, मंत्री, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, सुरिन्द्र चौधरी, मंत्री, आर्य केंद्रीय सभा, नवनीत अग्रवाल, ओमदत्त पंचाल, शीशपाल आर्य, सुधीर गुप्ता, प्रद्युमन, अजय तनेजा, हर्षप्रिय आर्य, कंवरभान खेत्रपाल, विनय वधवा, धर्मवीर, ऋषिराज आर्य, प्रेम शंकर मौर्य, लखनऊ से, आर्य आशीष, गंगा शरण आर्य, सुमित आर्य, उदयवीर आर्य, धर्मेंद्र आर्य, कृष्ण, देवेंद्र सचदेवा, मान्धाता आर्य, विकास पंचाल, रवि प्रकाश।

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी दानदाताओं, कार्यकर्त्ता तथा सहयोगियों का बहुत-बहुत धन्यवाद! परमपिता परमात्मा सभी दानदाताओं के सात्विक दान में वृद्धि करें तथा कार्यकर्त्ताओं की मानसिक शक्ति एवं स्वास्थ्य वर्धन करें। यदि इस कार्यकाल में किसी भी सहयोगी अथवा कार्यकर्त्ता की किसी कार्रवाई या व्यवहार से किसी को दुख:, कष्ट पहुंचा हो या को गलती हुई हो तो क्षमा याचना!

– डॉ. मुकेश आर्य 'सुधीर',
संयोजक

निरन्तर पृष्ठ 3 से आगे

सम्मान के इस क्रम में सबसे छोटे बच्चे को और सबसे वृद्ध महानुभाव को तथा नवविवाहित जोड़े को आर्य समाज की ओर से सम्मानित किया गया।

प्रेरक उद्बोधन

इस अवसर पर स्वामी प्रणवानंद सरस्वती जी ने अपने उद्बोधन में वेदमंत्र का भाव व्यक्त करते हुए कहा कि जो व्यक्ति अच्छा सोचता है, अच्छा बोलता है और अच्छा करता है उसके यहाँ पर हर रोज उत्सव होते हैं, दिवाली और होली मनाई जाती हैं। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा हमेशा से अच्छा कार्य कर रही है, इसलिए यह सुंदर आयोजन यहाँ पर संभव हो रहा है, इसके लिए दिल्ली सभा के सभी अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

गयाना से पधारे डॉ. सतीश प्रकाश जी, जो कि विशेष अनुरोध पर कार्यक्रम में उपस्थित हुए उन्होंने अपने संदेश में कहा कि भारत वह देश है जहाँ सारे विश्व से लोग शिक्षा प्राप्त करने के लिए आया करते थे, जहाँ पर अतिथि देवो भव, पितृदेवो भव आचार्य देवो भव की परम्परा और संस्कृति रही है, आज यहाँ होली के उत्सव पर आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है और मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूँ।

श्री राकेश ग्रोवर की ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में आर्य समाज के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती को नमन किया और आर्य समाज की सेवा कार्यों में योगदान देने का संकल्प लिया।

डॉ. योगानंद शास्त्री जी ने अपने उद्बोधन में आर्य समाज के सेवाकार्यों की प्रशंसा की और दिल्ली सभा के बढ़ते हुए कदम सराहनीय बताए। उन्होंने 12 फरवरी 2023 के कार्यक्रम की सफलता की भी प्रशंसा करते हुए सबको बधाई दी।

विनय आर्य जी ने पूरे कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन किया और उन्होंने 21 मार्च 2023 को ताल कटोरा इंडोर स्टेडियम में सायं तीन बजे से छह बजे तक आर्य समाज के 149 वें स्थापना दिवस को भव्य रूप में मनाने की घोषणा की और बताया कि इस कार्यक्रम में श्री अमित शाह जी, गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। अपार जनसमूह ने तालियों की गड़-गड़ाहट से कार्यक्रम की घोषणा का स्वागत किया।

दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी उपस्थित महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं, अधिकारियों और उपस्थित सभी महानुभावों को होली की शुभकामनाएं दी और आर्य समाज के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटिकाओं की सारगर्भित प्रस्तुति

इस अवसर पर आर्य विद्यालयों, आर्य परिवारों और आर्य वीर दल के बच्चों ने बधाई गीत, गुजरात से था कौन आया, असमी गीत, उसकी जय-जय गाओ, आया झूम के बसंत इत्यादि गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और साथ ही आर्य जगत के गौरवशाली इतिहास को स्मरण करते हुए प्रोफेसर शेर सिंह के जीवन पर आधारित प्रेरक नाटिका का प्रस्तुतिकरण किया। इस नाटिका का भाव यही था कि किस तरह से हमारे पूर्वजों ने गरीब, वंचित और पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने के लिए, उन्हें ऊँचा उठाने के लिए समाज से संघर्ष किया। इस क्रम में रिश्ते बचाइए नाटिका बहुत सारगर्भित और प्रेरणाप्रद सिद्ध हुई। जो होली सो होली, आगे के लिए युवा पीढ़ी को नशा मुक्त करने का भी संदेश दिया गया। इस सारे कार्यक्रम का संचालन बच्चों ने ही किया। बच्चों ने सुंदर कविता पाठ भी किया। बच्चों के लिए गुब्बारों और टैटू की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसका सबने भरपूर उपयोग किया।

कार्यक्रम की सारी व्यवस्था रही प्रशंसनीय

सम्पूर्ण कार्यक्रम की सुंदर व्यवस्था अपने आप में अत्यंत प्रशंसनीय रही। द्वार पर सभा के अधिकारी सभी महानुभावों का चंदन से तिलक करके अभिनंदन कर रहे थे। उसके आगे सुंदर रंगोली बनायी गई थी, जहाँ सभी लोग अपने परिवार जनों के साथ सेल्फी ले रहे थे। थोड़ा सा आगे चलने पर बाएँ और केसर युक्त ठंडाई का प्रबंध था, जो सभी के लिए मधुरता और ठंडक प्रदान करने वाला सिद्ध हुआ। दांई और जेबीएम ग्रुप की ओर से जल का प्रबंध था और उसके आगे भल्ले, पापड़ी और टिक्की आदि के स्टाल सजाए गए थे। बाएँ और वैदिक प्रकाशन का स्टाल लगा हुआ था जहाँ से सभी लोगों आर्यसमाज का साहित्य खरीद कर लाभान्वित हो रहे थे। सामने सुंदर बैक ड्रॉप जिसमें बीच में स्क्रीन लगी हुई थी और दोनों तरफ होली की शुभकामनाएँ वाले होर्डिंग्स लगे हुए थे। हर आयु वर्ग के हजारों लोग कुर्सियों पर विराजमान थे, सारा प्रांगण खचाखच भरा हुआ था। सभी महानुभावों के लिए भोजन की सुंदर व्यवस्था की गई थी, जो कि लगभग 5 बजे से समापन तक चलती रही। सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं और सभी के ऊपर फूलों की वर्षा करके शुभकामनाएं दी गई। होली का कार्यक्रम आनंदपूर्वक सम्पन्न हुआ।

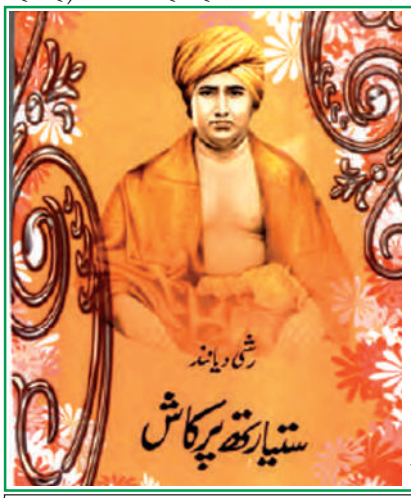

दिल्ली सभा द्वारा प्रकाशित

महर्षि दयानन्दकृत

सत्यार्थ प्रकाश

उर्दू भाषा में अनुवाद)

मूल्य मात्र 100/- रुपये

amazon

पर भी उपलब्ध

प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करें -

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा (पं.)

सम्पर्क : 011-23360150, 9540040339

आर्य सन्देश पत्र के स्वामित्व आदि सम्बन्धी विवरण

फार्म 4 नियम 8

(प्रेस एण्ड रजिस्ट्रेशन ऑफ बुक एक्ट)

प्रकाशक का नाम	:	दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली - 110001
प्रकाशन की अवधि	:	साप्ताहिक
प्रकाशन का समय	:	प्रति बुध-गुरु एवं शुक्रवार
प्रकाशक का नाम	:	धर्मपाल आर्य
क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
मुद्रक का पता	:	दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15- हनुमान रोड,नई दिल्ली- 110001
क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
प्रकाशक का पता	:	पूर्ववत्
सम्पादक का नाम	:	धर्मपाल आर्य
क्या भारत का नागरिक है	:	हाँ
सम्पादक का पता	:	पूर्ववत्
उन व्यक्तियों के नाम पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा समस्त पूंजी के 1% से अधिक के साझेदार/हिस्सेदार हों	:	दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली -110001

मैं धर्मपाल आर्य इस लेख पत्र के द्वारा घोषणा करता हूं कि उपर्युक्त विवरण जहां तक मेरा ज्ञान और विश्वास है, सही है।

- धर्मपाल आर्य, प्रकाशक एवं मुद्रक

विशिष्ठ आर्य परिवार के मुखिया स्व. प्रो. शेर सिंह के सुपुत्र श्री तरुण कुमार जी सम्मान प्राप्त करते हुए

बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की सुंदर प्रस्तुति

विद्यालयों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम

बच्चों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति

मंच संचालन एवं कविता की प्रस्तुति करते हुए आर्य परिवारों के बालक, बालिकाएं

प्रो० शेर सिंह जी के प्रेरक जीवन पर आधारित नाटिका मंचन

स्वागत समिति द्वारा किया गया आगन्तुक आर्यजनों का स्वागत

बच्चों के मनोरंजन के लिए

टैटू एवं गुब्बारों का आनंद लेते बच्चे

सुन्दर रंगोली के साथ सेल्फी की व्यवस्था

फूलों की होली से महक उठे आर्यों के मन

साप्ताहिक आर्य सन्देश
सोमवार 13 मार्च, 2023 से रविवार 19 मार्च 2023
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, १५-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-११०००१

दिल्ली पोस्टल रजि.नं० डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2021-22-2023
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 15,16,17 मार्च, 2023 बुध,वीर,शुक्रवार
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2021-2023
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 15 मार्च, 2023

नव सस्येष्टी यज्ञ के साथ हुआ समारोह का शुभारम्भ

यज्ञ करते आर्य परिवार

नव सस्येष्टी यज्ञ सम्पन्न कराते
वैदिक विदुषी डॉ. सुकामा आचार्या जी

यजमान : डा० सत्यकाम वेदालंकार एवं श्रीमती गायत्री

यजमान : श्रीमती निकिता एवं श्री शुभम बंसल

यजमान : श्रीमती सुमन रहेजा एवं श्रीमती सुषमा शर्मा

यजमान : श्रीमती वन्दना शर्मा एवं श्री यशपाल शर्मा

यजमान : श्रीमती वैष्णवी एवं श्री गौरव शर्मा तथा श्रीमती शिप्रा एवं श्री सौरभ शर्मा

यजमान : श्रीमती नयंशी एवं श्री अश्वनी चौधरी

यजमान : श्रीमती हिना एवं श्री विभु आनंद

समारोह में सबसे अधिक आयु 90 वर्ष के महानुभाव का सम्मान

समारोह में सबसे छोटी आयु 27 दिन के बच्चे का सम्मान

नव विवाहित दंपति को किया गया सम्मानित

सभा द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन करते हुए

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट पिंटर्स, युनिट न.-21, प्रधान कॉम्पेक्स, मेन रोड मंडावली, दिल्ली-90 से से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह